संगदोष और परचिंतन से बचते हुए बाबा की छत्रछाया का अनुभव करें

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

संगमयुग पर बाबा ने ये श्रेष्ठ भाग्य दिया कि बाबा की छत्रछाया में हम सभी पल रहे हैं। दुनिया की आत्माओं को जब देखते हैं तो हमेशा जैसे बाबा कहते हैं कि निधन के हैं, भले उनके पास में भी अपने लौकिक मात-पिता की छत्रछाया होते हुए भी निधन के ही हो जाते हैं क्योंकि परमात्मा मात-पिता को नहीं पहचानते। और इसीलिए बाबा कहते कि जिसके ऊपर छत्रछाया ही न हो वो सहजता से रूलते-पिलते हैं। और इसीलिए सबसे पहले तो माया के संगदोष में आना स्वाभाविक हो जाता है।

माया जब देखती है कि ये कच्चे हैं, गफलत कर रहे हैं बार-बार तो माया सहजता से अपने वश में करना आरम्भ करती है। और इसीलिए चाहे माया किसी को निमित्त बनाकर ले आती है या जैसे कहा आजकल ये साधनों के माध्यम के वश हो जाते हैं। और एक बार जब किसी की आदत लगती है तो फिर पैर फिसलता ही जाता है। क्योंकि कहा जाता है कि वो रोड बड़ा स्लीपरी होता है और इसीलिए फिसल के कहाँ से कहाँ पहुंच जाते हैं। कभी-कभी तो होश भी नहीं आता है और पहुंचने के बाद समझ में आता है कि अरे ये कहाँ पहुंच गये हम! और फिर वहाँ से बाहर निकलना बहुत कठिन होता है।

इसलिए बाबा ने हम बच्चों को यह सबसे बड़ा सौभाग्य दिया है कि बच्चे बाबा की छत्रछाया के नीचे रहो तो माया का कोई भी प्रभाव हमारी बुद्धि को प्रभावित न करे। बाबा जैसे मुरली में कहते हैं कि अपने आप से बातें करो और दूसरा है जब आपस में बात करते हैं तो भी हमें क्या लेन-देन करना है। स्व उन्नति की बातों का ही लेन-देन करना है। या सर्विस के विषय को लेकर लेन-देन करना है कि सर्विस कैसे वृद्धि को पाए या फिर बाबा कहते ज्ञान का मनन-चिंतन करो। क्योंकि उसी से ही हमारी उन्नति होगी बाकी और कोई भी बातचीत करते हैं तो उसको बाबा परचिंतन में ही गिनती करता है। बाबा कहते कि परचिंतन पतन की जड़ है। आत्म चिंतन उन्नति की सीढ़ी है। और इसीलिए जैसे-जैसे आत्म चिंतन करते जाओ, देखो फिर कितना ऊंचा चढ़ते जाते हैं। मैं कई बार सोचती हूँ कि कितना व्यक्ति को मानसिक रूप से कमज़ोर करता है ये संगदोष। चाहे व्यक्ति का संगदोष हो स्थूल में, चाहे इलेक्ट्रॉनिक संगदोष हो, मोबाइल आदि का।

बाबा जैसे मुरली में कहते हैं कि अपने आप से बातें करो और जब आपस में बात करते हैं तो भी हमें क्या लेन-देन करना है। स्व उन्नति की बातों का ही लेन-देन करना है।

आज जब दुनिया में देखते हैं तो इसका भी एक प्रकार का एडिक्शन हो गया है और एडिक्शन इस तरह का हो गया है कि उससे अपने आप को अलग करना बहुत मुश्किल है लोगों को।

एक बहन के लिए बताया गया है कि वो ऑफिस में थी, और मीटिंग चल रही थी और मीटिंग में वो मोबाइल लेकर बैठी थी। तो उसका बॉस जो था मीटिंग के दौरान उसको बार-बार देख रहा था, दो-तीन बार उसको कहा लेकिन फिर भी वो छोड़ नहीं पा रही थी। तो उसके बॉस ने उसको छीन लिया और जैसे ही छीना तो अन्कॉन्शियस हो गई, कुर्सी पर ही गिर गई, और पाँच मिनट के बाद झाग निकलने लगा मुँह से। इतना एडिक्शन है इस चीज़ का। जिस तरह से किसी को ड्रग्स का एडिक्शन होता है और एडिक्शन माना ही जब व्यक्ति के अन्दर वो कैमिकल रिएक्शन जो होता है वो ब्रेन से रिलीज़ होते हैं। जो एक प्रकार का ड्रग एडिक्शन में लोगों को होता है वैसे ही होता है।

तो जैसे ही बेहोश होकर झाग निकलने लगा तो उसका बॉस घबरा गया उसको वापिस दे दिया कि ले लो तुम। और जैसे ही दिया तो झाग भी चला गया और वापिस वो देखने लगी। आजकल तो दुनिया के अन्दर छोटा बच्चा भी बिना मोबाइल के खाना नहीं खाता है। वहाँ से एडिक्शन हो रही है। तो ये एक प्रकार की तामसिकता जिसको कहा जाए मन-बुद्धि की भी तामसिकता।

इसीलिए कहा कि ये कलियुग का जैसे सबसे बड़ा अन्तिम समय का अभिशाप है। जिसके संग में कई ब्राह्मण भी फंसते जा रहे हैं। और इसीलिए उन्नति करने की बजाय, दुर्गति की ओर ज़्यादा जाते हैं। तो जो कहा जाता है संग तारे कुसंग डुबोए।

बाबा के संग में हम जितना रहते हैं तो हमारी उन्नति भी उतनी ही है। लेकिन जितना ये इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ आज मनुष्य ने अपना संग बना दिया है, उससे संसार भर में कितनी अधोगति भी होती जा रही है।

- क्रमशः

वाराणसी-बजरडीहा(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. दयाशंकर मिश्र(दयालु गुरु)राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, सौरभ श्रीवास्तव,कैंट विधायक, आईपीएस पंकज कुमार पांडे,कमांडेंट 34बटालियन भुल्लनपुर पीएसी, डॉ. कुमार अभिषेक, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, ब्र.कु. सरोज बहन, ब्र.कु. चंदा बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

जयपुर-बनीपार्क(राज.)। होमगार्ड ट्रेनिंग एकेडमी,जयपुर में जवानों को राखी बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. दीप्ति बहन, ब्र.कु. हेमा बहन एवं ब्र.कु. गजेन्द्र भाई।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर पत्रकार एवं मीडिया वर्ग के लिए आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में प्रभात खबर, दैनिक भास्कर, आज, हिंदुस्तान न्यूज़पेपर के पत्रकार, लाइफ 24न्यूज़ चैनल के पत्रकार, मगध वाणी मैगज़ीन के संपादक तथा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

दिल्ली-पटेल नगर। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर स्थानीय निवासियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में ट्राई के प्रिंसिपल एडवाइज़र महेंद्र श्रीवास्तव, रेडियो मधुबन से ब्र.कु. रमेश भाई, गीता शारदा संस्था के सदस्य, महिला संस्था संचालक नेहा अग्रवाल, योगाचार्य के.के. झा, आचार्य गोपाल कृष्ण, राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक ब्र.कु. सुशांत भाई व सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. राजश्री दीदी सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

कोटा-कुन्हाड़ी(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राकेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट स्वतांक, इंस्पेक्टर राम कृष्ण यादव तथा अन्य जवानों को राखी बांधने के पश्चात् समूह चित्र में उपस्थित हैं ब्र.कु. उर्मिला दीदी तथा अन्य।

दिल्ली-लोधी रोड। भेल में कार्यशाला कराने के उपरांत समूह चित्र में ब्र.कु. पीयूष भाई, ब्र.कु. गिरिजा बहन, डीजीएम अमित त्यागी एवं प्रतिभागी।

नोएडा-उ.प्र.। सुप्रिय प्रसाद,न्यूज़ डायरेक्टर आज तक न्यूज़ चैनल, इंडिया टुडे एवं 'तक' को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अदिति बहन,ज्ञानसरोवर माउण्ट आबू।

नगर-डीग(राज.)। तहसीलदार अंकित कुमार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. हीरा बहन। साथ हैं ब्र.कु. तारेश बहन।

मालपुरा-राज.। डीएसपी महेंद्र कुमार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रियंका बहन।